Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University , Aurnagabad.

Department of Hindi

Choice Based Credit & Grading System Syllabus for

M.A .HINDI
(Autonomous Department)

W.E.F.JUNE , 2015

M.A Hindi

Semester - I

	Theory Courses			
	Course.No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load /Weekly Hours
Foundation Course	Course-1	आदि तथा मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	4	5
Core Course	Course-2	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	5
	Course-3	भक्तिकालीन काव्य	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	Course-4	स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य	4	5
	Course-5	उपन्यास साहित्य	4	5
	Course-6	नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	Course-7	स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5
Compulsary Course	Course-8	भारतीय संविधान	2	2
Semester: - II				
Foundation Course	Course-9	आधुनिक साहित्य का इतिहास	4	5
Core Coure	Course-10	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	5
	Course-11	रीतिकालीन काव्य	4	5
Elective वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	Course-12	स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य	4	5
	Course-13	कहानी साहित्य	4	5
	Course-14	स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	Course-15	स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गद्य साहित्य	4	5
Compulsary Course	Course-16	शोध प्रविधि तथा पुस्तक परीक्षण	2+2	2

एम.ए हिंदी : प्रथम वर्ष
प्रथम - सत्र

Foundation Course : -

Course – 1 आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

• **उद्देश्य : -** 1. साहित्येतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन 2. साहित्य और युगबोध के संबंधो का अध्ययन 3. साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान 2.दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी , परिचर्चा एवं स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास परंपरा : - इतिहास से तात्पर्य , साहित्येतिहास की अवधारणा एवं स्वरूप , साहित्येतिहास और साहित्य विकास के सिध्दांत , हिंदी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री , हिंदी साहित्येतिहास लेखन : परम्परा और प्रयोग .	10
2.हिंदी साहित्य का आदिकाल : - पृष्ठभूमि , सिध्द , नाथ, जैन , रासो तथा शृंगार काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय ,प्रतिनिधि रचनाकार - सरहप्पा , शालिभद्र सूरि , गोरखनाथ , चंदबरदायी , नरपतिनाल्ह अमीर खुशरो , विद्यापती	10
3. भक्तिकाल : - पृष्ठभूमि , भक्ति - काव्य उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ ,	05

4.ज्ञानमार्गी काव्यधारा : - सन्तकाव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन ,सूफीकाव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन , प्रतितिधि रचनाकार : कबीर , नानक, जायसी	10
5. सगुण काव्य धारा : - रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास, सूरदास	10
6. रीतिकाल : - पृष्ठभूमि , रीतिबध्द , रीतिसिध्द तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार , केशवदास , देव,बिहारी ,नृपशंभु , भूषण , घनानंद .	15
• **पाठयपुस्तकें : -** 1. हिंदी साहित्य का इतिहास सं .डॉ नगेंद्र : मयुर पेपर बैक्स ,नोएडा . 2. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. माधव सोनटक्के , विकास प्रकाशन , कानपुर .	

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. शुक्ल : नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास :गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद व्दिवेदी , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद.
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह ,राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .
5. हिंदी साहित्य का अतीत : डॉ.विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
   (भाग - 1 -2)
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद व्दिवेदी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

Course – 1 आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो -10

Core Course -

Course – 2 : भारतीय साहित्यशास्त्र

• **उद्देश्य : -** 1. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय 2. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास 3. साहित्य सृजन , आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन पध्दति : -** 1. व्याख्यान 2. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय 3. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग 4 . अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. रस सिध्दांत : रस का स्वरूप , भरत का रस- सूत्र तथा लोलट , शंकूक, भट्ट नायक और अभिनव गुप्त की रस- सूत्र व्याख्या ,	**15**
2. अलंकार सिध्दात : अलंकार - चिन्तन की परम्परा , अलंकार : स्वरूप, महत्व एवं वर्गीकरण	**10**
3. रीति सिध्दान्त : रीति से तात्पर्य , वामन के रीतिविषयक विचार, रीति के आधारभूत तत्व, रीति - भेद .	**10**
4. ध्वनि सिध्दान्त : ध्वनि से तात्पर्य ,ध्वनि- चिंतन की परम्परा और आनंदवर्धन , ध्वनि के प्रमुख भेद , ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद .	**10**
5. वक्रोक्ति सिध्दान्त : वक्रोक्ति से तात्पर्य , वक्रोक्ति चिन्तन की परम्परा ,कुंतक के वक्रोक्ति - विचार , वक्रोक्ति के प्रमुख - भेद .	**10**

6. औचित्य सिध्दान्त : औचित्य से तात्पर्य , औचित्य चिन्तन की परम्परा , आनंदवर्ध्दन के औचित्यविचार , आ. क्षेमेंन्द्र के औचित्य विचार , औचित्य का महत्व तथा औचित्य के अंग (तत्व).	**05**
● **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

● **पाठयपुस्तकें**

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ,
   लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दान्त : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
   लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

● **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. विश्व साहित्यशास्त्र - सं. डॉ. नगेंद्र
   नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - सेठ कन्हैयालाल पोद्दार ,
   नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी .
3. रस सिध्दान्त : डॉ. नगेंद्र
   नेशनल पब्लिसिंग हाउस , नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
5. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली.

Course – 2 : भारतीय साहित्यशास्त्र

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Course - 3 : भक्तिकालीन काव्य

● **उद्देश्य : -** 1. भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन 2. सगुण - निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं का अध्ययन 3. भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाव्य के योगदान का अध्ययन	
● **अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान पद्धति 2. शिक्षक - छात्र संवाद पद्धति 3. संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन 4. विशेषज्ञों के व्याख्यान	
● **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि : ज्ञानमार्गी तथा सगुण भक्तिकाव्य	**05**
2. कबीर : साहित्य , भक्ति भावना ,समाज दर्शन ,विद्रोह - भावना ,काव्यकला	**15**
3. सूरदास : साहित्य , भक्तिभावना , वात्सल्य , काव्यकला	**10**
4.सूरदास : भ्रमरगीत : संवेदना और शिल्प	**10**
5. तुलसी : साहित्य , लोकमंगल , सामाजिक - सांस्कृतिक दृष्टि	**10**
6. तुलसी : रामचरितमानस : कथ्य और शिल्प	**10**
● **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

- **पाठयपुस्तकें**

1. कबीर : हजारीप्रसाद व्दिवेदी : राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

(संसंदर्भ के लिए पद. दोहा .क्र 160 से 209 तक)

2. भ्रमरगीत : सं. रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन

(संसंदर्भ के लिए पद .क्र ,दोहा 21 से 70 तक)

3. रामचरित मानस : तुलसीदास : लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

(संसंदर्भ के लिए उत्तरकांड)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. भक्तिकाव्य यात्रा : डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद .

2. कबीर , सूर,तुलसी : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह : लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

3.सूरदास : आ. रामचंद्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .

4. गोस्वामी तुलसीदास : आ. रामचंद्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .

5. तुलसीदास : डॉ. रामचंद्र तिवारी - वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली .

6. भक्ति आंदोलन का : इतिहास और संस्कृति : डॉ. कुँवरपाल सिंह - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

7. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ.रामचंद्र तिवारी - विश्वविद्यालय प्रकाशन -वाराणसी .

8. भ्रमरगीत एक मूल्याकंन : हरिश्चंद्र शर्मा - विश्वविद्यालय प्रकाशन -वाराणसी .

9. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्याकंन : देवेंद्र शर्मा, वचन देव कुमार . नेशनल पब्लिसिंग हाउस नई दिल्ली .

Course - 3 : भक्तिकालीन काव्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समयः2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो -10

Electives Course : -

- **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**
- **Course – 4 स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य**

• **उद्देश्य: -** 1. स्वतंत्रता पूर्व गद्य साहित्य की परम्परा का परिचय 2. कहानी ,नाटक तथा निबंध विधा का अध्ययन 3. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान पद्धति 2. गोष्ठी , परिचर्चा , तथा स्वाध्याय 3. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्रतापूर्व कहानी साहित्य और प्रेमचंद	**05**
2. " प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानी " संकलन की कहानियों की संवेदना और शिल्प	**15**
3. स्वतंत्रतापूर्व नाट्य साहित्य और जयशंकर प्रसाद	**05**
4. चंद्रगुप्त नाटक की संवेदना और नाट्यशिल्प	**15**
5. स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य और महादेवी	**05**
6. " शृंखला की कडियाँ " के निबंधों में व्यक्त विचार और शिल्प - विधान	**15**

● **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	
● **पाठयपुस्तकें** 1.प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ -सं. भीष्म साहनी, राजकमल पेपरबैक्स : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली . (पाठयक्रम में समाविष्ट कहानियाँ : बडे भाई साहब , पूस की रात ,नमक का दरोगा , सवा सेर गेहूँ , शतरंज के खिलाडी , आत्माराम , ठाकूर का कुआँ ,सद्‌गति,पंच परमेश्वर , कफन) 2. चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद : लोकभारती प्रकाशन ,नई दिल्ली . 3. शृखंला की कडियाँ : महादेवी वर्मा : लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली . (समाज और व्यक्ति तथा जीने की कला को छोडकर शेष निबंध).	
● **संदर्भ ग्रंथ : -** 1. प्रेमचंद कहानी का रहनुमा : डॉ. जाफर रजा, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद . 2. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प : शिवकुमार मिश्र लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद . 3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगनाथ प्रसाद , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली 4. नाट्‌यालोचन : डॉ. माधव सोनटक्के , विकास प्रकाशन , कानपुर . 5. हिंदी निबंध के सौ वर्ष : डॉ.उपाध्याय , लिपि प्रकाशन ,मोहसाणा .	

Course – 4 स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	**20**	**10**	**50**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Course – 5 उपन्यास साहित्य

• **उद्देश्य : -** 1. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासात्मक अध्ययन 2. उपन्यास : आस्वाद तथा आलोचन क्षमता का विकास 3. हिंदी उपन्यास और युगबोध की परख	
• **अध्ययन - अध्यापन : -** 1. व्याख्यान 2. दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद .	**05**
2. गोदान और भारतीय किसान , गोदान में गाँव और शहर , महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना ,गोदान के मुख्य चरित्र , गोदान में यथार्थ और आदर्श , गोदान का शिल्प	**15**
3 स्वातंत्रयोत्तर हिंदी उपन्यास और हजारीप्रसाद व्दिवेदी	**05**
4 बाणभट्ट की आत्मकथा , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि , आधुनिकता, निपुणिता और नारीमुक्ति की आकांक्षा ,प्रमुख चरित्र, शिल्प - विधान , भाषा - सौष्ठव	**15**
5. आँचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ रेणू	**05**
6. .मैला आँचल: वस्तु विन्यास और शिल्प ,लोकसंस्कृति और भाषा , ग्राम जीवन में होनेवाले आर्थिक - राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्रण ,प्रमुख चरित्र.	**15**
• **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

- **पाठयपुस्तकें**

1. गोदान : प्रेमचंद -
   सुमित्रा प्रकाशन , इलाहाबाद .
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद व्दिवेदी -
   राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली .
3. मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु -
   राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली .

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. गोदान : संवेदना और शिल्प -डॉ. चंद्रशेखर कर्ण -
   जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित समस्याएँ - डॉ. एम.विमला -
   जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद .
3. हिंदी उपन्यासों के सौ वर्ष - सं .डॉ. रामदरश मिश्र - गिरनार प्रकाशन , मेहसाना
4. हिंदी उपन्यासों में सामाजिक चेतना - लालसाहब सिंह , नमन प्रकाशन नई दिल्ली
5. हिंदी के आँचलिक उपन्यास - डॉ.विद्याधर व्दिवेदी - चिंतन प्रकाशन, कानपूर
6. आँचलिक उपन्यासों में ग्राम्यजीवन - डॉ उत्तमभाई पटेल -
   क्वालिटी बुक्स , कानपूर .
7. उपन्यास : स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर -
   वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
8. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार - डॉ. व्दारिका सक्सेना-
   विश्वभारती पब्लिकेशन दिल्ली .
9. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास - डॉ. रामगोपाल चौहान -
   विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा .
10. फणीश्वरनाथ रेणु- व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व . डॉ. हरिशंकर दुबे .

Course –5 उपन्यास साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियॉं -चार में से दो - 10

Course – 6 स्वतंत्रतापूर्व नाटक साहित्य

• उद्देश्य : - 1. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन 2. नाट्यास्वादन तथा नाट्य - मूल्यांकन क्षमता का विकास 3. स्वतंत्रतापूर्व जन संवेदना का नाट्य साहित्य द्वारा परिचय	
• अध्ययन - अध्यापन पध्दति : - 1. व्याख्यान 2. नाट्य- मंचन और प्रदर्शन 3. दृक -श्रव्य साधनों का प्रयोग 4. गोष्ठी , परिचर्चा , का आयोजन 5. नाट्य समीक्षा का अभ्यास	
• पाठयांश : -	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्रतापूर्व नाटक तथा रंगमंच का विकासक्रम	**05**
2. भारतेंदु हरिश्चद्र का नाट्य - साहित्य	**05**
3. अंधेर नगरी : संवेदना और रंगशिल्प	**10**
4. जयशंकर प्रसाद का नाट्य -साहित्य	**10**
5. स्कंदगुप्त : संवेदना और रंगशिल्प	**10**
6. लक्ष्मीनारायण मिश्र का नाट्य - साहित्य , वितस्ता की लहरें : संवेदना और शिल्प	**20**

- **पाठय-पुस्तकें : -**

  1. अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र -
     लोकभारती प्रकाशन सं. परमानंद श्रीवास्तव
  2. स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद -
     लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
  3. वितस्ता की लहरें : लक्ष्मी नारायण मिश्र -
     लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

  1. भारतेंदु युगीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
     डॉ. कमला कानोडिया : विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
  2. भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन
     गोपीनाथ तिवारी : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली .
  3. भारतेंदु हरिश्चंद्र
     डॉ. लक्ष्मीसागर वैष्णव , साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद .
  4. प्रसाद के नाटक : रचना और प्रक्रिया
     डॉ.जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव : साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद .
  5. जयशंकर '' प्रसाद '' और लक्ष्मीनारायण मिश्र के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन
     शशी शेखर नैथानी : विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी .
  6. नाट्यालोचन
     डॉ. माधव सोनटक्के : विकास प्रकाशन कानपुर .
  7. नाटककार जयशंकर प्रसाद :
     सं. सत्येनकुमार तनेजा : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली .
  8. समस्या नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र
     डॉ. कर्णसिंह भाटी : तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली .

Course – 6 स्वतंत्रतापूर्व नाटक साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Course – 7 : स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य

<table>
<tr><td colspan="2">

- **उद्देश्य : -**

1. हिंदी की स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य विधाओं का परिचय -
2. निबंध ,जीवनी ,रेखाचित्र , संस्मरण , डायरी आदि का अध्ययन करना ।

</td></tr>
<tr><td colspan="2">

- **अध्यापन पद्धति : -**

1. व्याख्यान , चर्चा
2. प्रकल्प लेखन
3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

</td></tr>
<tr><td>

- **पाठय-विषय : -**

</td><td>तासिकाएँ</td></tr>
<tr><td>1. हिंदी निबंध का विकासक्रम और आ. रामचंद्र शुक्ल</td><td>05</td></tr>
<tr><td>2. चिंतामणि : विचार एवं रचना शिल्प</td><td>15</td></tr>
<tr><td>3. संस्मरण साहित्य का विकासक्रम और बेनीपुरी</td><td>05</td></tr>
<tr><td>4. मुझे याद है - संवेदना और शिल्प</td><td>15</td></tr>
<tr><td>5. रेखाचित्र - संस्मरण और महादेवी</td><td>05</td></tr>
<tr><td>6. अतीत के चलचित्र - संवेदना और शिल्प.</td><td>15</td></tr>
<tr><td>

- **टयूटोरियल / प्रकल्प/ गृहकार्य**

</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">

- **पाठयपुस्तकें**

1. चिंतामणि , आ. रामचंद्र शुक्ल , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
2. मुझे याद है , रामवृक्ष बेनीपूरी , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .
3. अतीत के चलचित्र , महोदवी वर्मा , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

</td></tr>
<tr><td colspan="2">

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी गद्य का परिप्रेक्ष्य , डॉ.सत्येंद्र , कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर .

</td></tr>
</table>

2. हिंदी निबंध के सौ वर्ष , डॉ. उपाध्याय , नि प्रकाशन , मोहसाणा .

3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार , डॉ. विनोद , पुस्तक मंदिर आगरा .

4. महादेवी का संस्मरणात्मक गद्य : चरनसखी शर्मा
शोध प्रबंध प्रकाशन , दिल्ली .

5. महीयसी महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय ,
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्यसाहित्य ,डॉ. अशोक सिंह
लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

Course – 7 : स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्ट **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Compulsary Course

Course -8 भारतीय संविधान

एम.ए हिंदी :प्रथम वर्ष
व्दितीय -सत्र

Foundation Course : -

Course -9 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

- **उद्देश्य : -**

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की परंपरा का अध्ययन
2. इतिहास - बोध का अध्ययन
3. ऐतिहासिक आलोचना का अध्ययन
4. साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधो का अध्ययन

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी , चर्चा तथा स्वाध्याय

• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. आधुनिककाल पृष्ठभूमि , भारतेंदु तथा महावीर प्रसाद व्दिवेदी युगीन काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार : भारतेंदु ,अंबिकादत्त व्यास , आयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध , मैथिलीशरण गुप्त	10
2. स्वछंदतावादी कविता : पृष्ठभूमि ,छायावादी काव्य ,राष्ट्रीय - सांस्कृतिक काव्यधारा , हालावादी काव्यधारा , प्रतिनिधिकवि : प्रसाद ,पंत ,निराला महोदवी , बालकृष्ण शर्मा नवीन , दिनकर , बच्चन .	10

3. प्रगतिवादी - प्रयोगवादी तथा नयी कविता : पृष्ठभूमि ,प्रवृतियाँ : प्रतिनिधि कवि - केदारनाथ अग्रवाल , नागार्जून ,अज्ञेय , भारती , मुक्तिबोध , रघुवीर सहाय, शमशेर , सर्वेश्वरदयाल सक्सेना .	10
4. साठोत्तरी तथा समकालीन कविता : पृष्ठभूमि प्रवृतियाँ , प्रतिनिधि कवि :धूमिल , केदारनाथ सिंह ,राजेश जोशी , उदय प्रकाश .	10
5. गद्य विधा का विकास : कहानी , उपन्यास , नाटक , तथा निबंध , ललित निबंध	10
6. गद्य विधा का विकास : जीवनी , आत्मकथा , संस्मरण , रेखाचित्र , व्यंग्य .	**10**
• **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

• **पाठयपुस्तकें**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास -सं. नगेंद्र .
   मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास . डॉ. माधव सोनटक्के ,
   विकास प्रकाशन ,कानपुर .

• **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. रणसुभे : विकास प्रकाशन ,कानपुर .
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त : लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद .
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र : जयभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

Course -9 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समयः2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Course -10 - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

• **उद्‌देश्य : -** 1. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन का परिचय 2. अद्यतन आलोचना दृष्टि का अध्ययन 3. साहित्य सृजन , आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन - अध्यापन : -** 1. व्याख्यान 2. गोष्ठी , परिचर्चा तथा स्वाध्याय 3. दृक -श्रव्य साधनों का प्रयोग 4. अतिथि विद्‌वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. अरस्तू के काव्य - सिध्दान्त : अरस्तू का परिचय ,अनुकरण सिध्दान्त , त्रासदी सिध्दान्त	**10**
2. लौंजाइन्स के काव्य सिध्दान्त : लौंजाइन्स का परिचय , उदात्त से तात्पर्य ,उदात्त का काव्य में महत्व , उदात्त के अंतरंग , बहिरंग तथा अवरोधक तत्व .	**10**
3. विलियम वर्डस्वर्थ के काव्य - विचार : वर्डस्वर्थ का परिचय ,वर्डस्वर्थ के कवि , काव्य , काव्य- प्रयोजन , काव्य विषय तथा काव्य - भाषा विषयक विचार	**10**
4. टी.एस.इलियट के काव्य - सिध्दान्त : इलियट का परिचय , इलियट का क्लासिकवाद , परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का सिध्दान्त , वस्तुनिष्ठ समीकरण , संवेदनाशीलता	10

का असहचर्य . 5. प्रमुखवाद : अभिव्यंजनावाद , अस्तित्ववाद ,उत्तर आधुनिकता , विखण्डनवाद	10
6. प्रमुख आलोचना दृष्टियाँ : मार्क्सवादी , मनोवैज्ञानिक , शैली वैज्ञानिक , नयी समीक्षा .	10
• **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	30
• **पाठयपुस्तकें** 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद . 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दान्त : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद . 3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य - सिध्दान्त : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .	

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास , सिध्दान्त और वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र , विश्वविद्यालय , प्रकाशन, वारणासी .
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा , मयूर पेपर बैक्स , नोएडा
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.बच्चन सिंह : हरियाणा अकादमी, पंचकुला .
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह , जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. काव्यशास्त्र तथा साहित्यलोचन : डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर .
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ. तेजपाल चौधरी विकास प्रकाशन, कानपुर .

Course -10 - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो - 10

Course -11 - रीतिकालीन काव्य

• **उद्देश्य : -** 1. रीतिकालीन कविता की पृष्ठिभूमि का अध्ययन दरबारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में 2. रीतिकाव्य का अध्ययन 3. रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान पद्धति 2.दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग 3.संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन 4. विशेषज्ञों के व्याख्यान	
. **पाठ्यविषय : -**	**तासिकाएँ**
1. रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि , प्रवृत्तियाँ , काव्यधाराएँ	**05**
2. बिहारी : सौंदर्य -भावना , बहुज्ञता , काव्यकला	**20**
3. भूषण : साहित्य , युगबोध ,काव्यकला	**10**
4. भूषण : राष्ट्रीयता , देशभक्ति	**05**
5. घनानंद : साहित्य , विरह,- वर्णन	**10**
6. घनानंद : स्वच्छंद योजना , प्रेम- व्यजंना , काव्यकला	**10**
• **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

- **पाठयपुस्तकें**

1. बिहारी प्रकाश - संपा .विश्वनाथप्रसाद मिश्र , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

(आरंभिक पचास दोहे)

2. भूषण - भूषण ग्रंथावली - संपा . विजयपाल सिंह , जयभारती प्रकाशन

शिवराज भूषण - 4 से 14 तक , 25 से 31 तक

शिवाबावजी - 2 से 12 तक

श्री छत्रसाल दशक - 1 से 10 तक

3 . घनानंद कविता : सं. लक्ष्मणदत्त गौतम अशोक प्रकाशन, दिल्ली

(कविता 1 से 20 तक)

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
2. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक - सामाजिक अध्ययन , लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
3. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .
4. भूषण : राजमल बोरा , नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,इलाहाबाद .
5. घनानंद :एक अध्ययन - रामप्रसाद - भारतीय ग्रंथ निकेतन , दिल्ली
6. बिहारी : व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन : रमेशचंद्र - नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,नई दिल्ली
7. महाकवि घनानंद - डॉ. राज बुध्दिराजा , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली .

Course -11 - रीतिकालीन काव्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **कुल अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो -10

Electives Course :: -

- **वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग**
- **Course 12 स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य**

• **उद्देश्य : -** 1. स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य परम्परा का परिचय 2. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास 3. उपन्यास , आत्मकथा तथा कहानी विधा का अध्ययन	
• **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान पद्धति 2.दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग 3.संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन 4. विशेषज्ञों के व्याख्यान	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1. स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य और कमलेश्वर	**05**
2. कितने पाकिस्तान : संवेदना और शिल्प	**15**
3. स्वातंत्र्योत्तर आत्मकथा साहित्य और मन्नु भंडारी	**05**
4. " एक कहानी यह भी " : संवेदना और शिल्प	**15**
5. स्वातंत्र्योत्तर व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई	**05**
6. प्रतिनिधि व्यंग्य में संकलित रचनाओं का मूल्यांकन	**15**

● **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

●**पाठयपुस्तकें**

1. कितने पाकिस्तान : कमलेश्वर , राजपाल एक सन्ज , काश्मिरी गेट ,दिल्ली -6
2. एक कहानी यह भी : मन्नुभण्डारी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
3. प्रतिनिधि व्यंग्य : हरिशंकर परसाई - राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

(पाठ्क्रम में सम्मलित रचनाए : लिटरेचर ने मारा तुम्हे , पगडण्डियों का जमाना , विकलांग श्रध्दा का दौर ,वैष्णव की फिसलन , अकाल उत्सव , ठिठुरता गणतंत्र , इस्पेक्टर मातादीन चाँद पर,एक लडकी पांच दीवाने)

● **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व और कृतित्व
डॉ. मनोहर देवलिया ,साहित्यवाणी , इलाहाबाद .
2. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग - चेतना
डॉ. आभा भट्ट :जयभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद .

3 कमलेश्वर : डॉ. मधुकर सिंह , शब्दकार , दिल्ली .

4 कमलेश्वर के उपन्यासों में नारी
डॉ. भगवान गव्हाडे , समता प्रकाशन , कानपुर .

5 उपन्यास : समय और संवेदना
डॉ. विजय बहादुरसिंह , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .

6 समकालीन हिंदी उपन्यास : समय और संवेदना
डॉ. वी.के. अब्दुल जलील, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

Course - 12 स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो -10

Course 13- कहानी साहित्य

• **उद्देश्य : -** 1.बीसवी सदी की हिंदी कहानी का परिचय 2. हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलनो का परिचय 3. हिंदी के प्रमुख कहानीकारों का परिचय 4. समकालीन दलित विमर्श ,स्त्री विमर्श , आदिवासी विमर्श से परिचय 5. कहानी विधा का तात्विक विवेचन एवं महत्व	
• **अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान / चर्चा 2. प्रकल्प लेखन 3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग	
• **पाठयक्रम : -**	**तासिकाएँ**
1. आधुनिक हिंदी कहानी का विकास	**05**
2. श्रेष्ठ महिला कथालेखिकाओं की कहानियों का मूल्यांकन	**15**
3. दलित साहित्य : तात्पर्य एवं विकास	**05**
4. श्रेष्ठ दलित कथाकार और उनकी कहानियों का विवेचन	**15**
5. '' हिंदी कहानियों के अठारह कदम '' में संकलित कहानियों का संवेदना -पक्ष	**10**
6. '' हिंदी कहानियों के अठारह कदम '' में संकलित कहानियों के आधार पर हिंदी कहानी साहित्य के शिल्प - विधान का विकासात्मक अध्ययन ।	**10**

● **ट्यूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

● **पाठयपुस्तकें**

1. श्रेष्ठ महिला कथाकार - सं . ममता कालिया :
लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
सिक्का बदल गया , तीसरा हिस्सा , मलबा ,तीन किलो की छोरी , मामला आगे बढेगा अभी ,बन्तो , सुनंदा छोकरी की डायरी,

2. श्रेष्ठ दलित कहानियाँ - सं. मार्कण्डेय ,
लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद .
(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
घायल शहर की एक बस्ती ,शवयात्रा , अब नहिं नाचब , दाग दिया सच ,उसका फैसला ,पैशाचिक)

3. हिंदी कहानी के अठारह कदम : सं.बटरोही.
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ : -
उसने कहा था , क : पंथा : फूलों का कुरता, रोज, अर्ध्दांगिनी , पिता,
पॉल गोमरा का स्कूटर)

● **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना - डॉ. साधना शहा - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली .
2. हिंदी कहानी का विकास डॉ. देवेश ठाकुर - संकल्प प्रकाशन , मुंबई .
3. नई कहानी पुनर्विचार - मधुरेश - नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
4. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - सं. यादव / वर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली .
5. स्त्रीत्ववादी विमर्श , समाज और साहित्य -क्षमा शर्मा - राजकमल प्रकाशन

6. दलित विमर्श की भूमिका - कँवल भारती - इतिहासबोध प्रकाशन , इलाहाबाद .

7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार लिंबाले -
राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली .

8. नई सहस्त्राब्दी का दलित आंदोलन मिथक एवं यथार्थ - डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव -
ओमेगा पब्लिकेशन्स , दिल्ली .

9. हिंदी साहित्य की कतिपय विशिष्ट महिलाएँ एवं उनकी रचनाएँ - डॉ.देवकर्ण मौर्य
शैलजा प्रकाशन , कानपूर

Course 13 - कहानी साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **कुल अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो-10

Course 14 - स्वातंत्र्योत्तर नाटक तथा एकांकी साहित्य

• **उद्देश्य : -** 1. स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन 2. नाट्यास्वाद तथा नाट्यालोचन संस्कार का विकास	
• **अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान / चर्चा 2. प्रकल्प लेखन 3. दृक - श्रव्य माध्यमों का प्रयोग	
• **पाठयांश : -**	**तासिकाएँ**
1 स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का विकासक्रम	05
2. आगराबाजार : संवेदना और रंगशिल्प , स्वातंत्र्योत्तर नाटकों में हबीब तनवीर का योगदान	15
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में महिला रचनाकारों का योगदान और मृदुला गर्ग का नाट्य साहित्य .	05
4. जादू का कालीन : संवदेना और रंगशिल्प	15
5. हिंदी एकांकी साहित्य का विकासक्रम	05
6. महाभारत की एक साँझ , आप न बदलेंगे तथा अपहरण भाईचारे का शीर्षित एकांकी का संवेदना और शिल्प की दृष्टि से अध्ययन	15
• **टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

• **पाठयपुस्तकें** 1. आगरा बाजार : हबीब तनवीर : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली 2. जादू का कालीन : मृदूला गर्ग : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली . 3. नाटक आज तक : सं. जी. भास्कर भैया : लोकभारती प्रकाशन ,नई दिल्ली . (अंधेर नगरी को छोडकर शेष एकांकी)	
• **संदर्भ ग्रंथ : -** 1. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि - डॉ . मदन मोहन भारव्दाज : नेशनल पब्लिसिंग हाउस ,नई दिल्ली . 2. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक - डॉ. नवनीत चौहान : अस्थाना प्रकाशन , भोपाल . 3. बीसवीं शती का हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. गिरीश रस्तोगी : भारती ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली . 4. हिंदी नाटक आज तक - डॉ. वीणा गौतम : शब्दसेतु प्रकाशन , नई दिल्ली . 5. रंग हबीब - डॉ . भारद्वाज भार्गव : राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली . 6. समकालीन रंगधर्मी नाटककार - लवकुमार लवलीन , विकास प्रकाशन , कानपुर .	

Course 14 - स्वातंत्र्योत्तर नाटक तथा एकांकी साहित्य

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समयः2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियाँ -चार में से दो-10

Course 15 -स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गदय

• **उद्देश्य : -** 1. हिंदी की स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गद्य -विधाओं का परिचय - जीवनी , आत्मकथा, संस्मरण आदि का अध्ययन करना । 2. स्वातंत्र्योत्तर आत्मकथा एवं जीवनी के माध्यम से आधुनिक मानवीय जीवन पर प्रकाश डालना है ।
• **अध्यापन पद्धति : -** 1. व्याख्यान , चर्चा 2. प्रकल्प लेखन 3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

• **पाठय- विषय : -**	**तासिकाएँ**
1. जीवनी साहित्य : स्वरुप तथा विकासक्रम	05
2. आवारा मसिहा - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
3. यात्रा - साहित्य : स्वरुप तथा विकासक्रम	05
4. एक बूँद सहसा उछली : संवेदना और शिल्प	15
5 ललित निबंध :स्वरुप तथा विकास	05
6. फिर बैतलवा डाल पर - संवेदना और शिल्प	15
टयूटोरियल / प्रकल्प/ स्वाध्याय	

- **संदर्भ ग्रंथ : -**

1. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ. सुरेंद्र माथुर
साहित्य प्रकाशन , मालीवाडा दिल्ली .
2. हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी
विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी .
3. हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्त्युत्तर यात्रा साहित्य :डॉ. ईरेश स्वामी
अन्नपूर्णा प्रकाशन ,कानपूर .
4. हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन
आत्माराम एण्ड सन्स ,नई दिल्ली .
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्याएँ : प्रो. रामस्वरुप चतुर्वेदी
ज्ञानपीठ प्रकाशन , नई दिल्ली .
6. हिंदी आत्मकथा : स्वरुप एवं साहित्य :कमलेश सिंह
नेशनल पब्लिसिंग हाउस , नई दिल्ली .
7. हिंदी यात्रा साहित्य और स्त्री यात्रा साहित्यकार : डॉ. बी. आर धापसे,
कीर्ति प्रकाशन , औरंगाबाद .

Course 15 -स्वातंत्र्योत्तर कथेत्तर गदय

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
टयूटोरियल /प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
20	20	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) लघुत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) ससंदर्भ व्याख्या विकल्प सहित -10

4) टिप्पणियॉं -चार में से दो -10

Compulsary Course : अनिवार्य कोर्स : -

Course-16 - शोध प्रविधि तथा पुस्तक परीक्षण

<table>
<tr><td colspan="2">

- **उद्देश्य : -**
  1. शोध के लिए छात्रों को प्रेरित करना ।
  2. शोध का महत्व स्पष्ट करना ।
  3. शोध- प्रक्रिया का ज्ञान अर्जित करना ।

</td></tr>
<tr><td colspan="2">

- **अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -**
  1. व्याख्यान
  2. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय
  3. दृक- श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
  4. विशेषज्ञों का व्याख्यान
  5. शोध- लेखन- अभ्यास

</td></tr>
<tr><td>

- **पाठयांश : -**

</td><td>तासिकाएँ</td></tr>
<tr><td>1.शोध : तात्पर्य एवं स्वरूप
शोध : अर्थ एवं परिभाषा</td><td>05</td></tr>
<tr><td>2. शोध के भेद
: साहित्यिक शोध
: भाषावैज्ञानिक शोध</td><td>05</td></tr>
<tr><td>3.शोध - संस्कार
: अनुसंधाता के गुण
: सत्य की खोज
: परिश्रम , चिंतन और तर्क
: सहनशीलता
: कार्यशीलता
: विषय का पूर्वज्ञान एवं रुचि
: त्याज्य गुण</td><td>10</td></tr>
</table>

4. शोध -प्रविधियाँ : आलोचनात्मक प्रविधि : सर्वेक्षणात्मक प्रविधि : ऐतिहासिक प्रविधि : तुलनात्मक प्रविधि	10
स्वाध्याय / पुस्तक परीक्षण	
संदर्भ ग्रंथ :- 1.शोध-प्रविधि : डॉ.विजयमोहन शर्मा - नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 2.शोध स्वरुप एवं व्यावहारिक कार्य विधि - वैजनाथ सिंहल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली 3.साहित्यिक अनुसंधान के आयाम - डॉ. आर.के.जैन दिल्ली 4. अनुसंधान प्रविधि -डॉ.गणेशन एस.एन नॅशनल पब्लिशिंग लोध बहादुर प्रकाशन , नई दिल्ली	

Course-16 - शोध प्रविधि तथा पुस्तक परीक्षण

कुल अंक-100

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन

अंक-50

अंतर्गत मूल्यांकन अंक			सत्रान्त परीक्षा अंक (Term End Exam)
पुस्तक परीक्षण	मूल्यांकन परीक्षा (Test)	परिचर्चा (Seminar)	
30	10	10	50

प्रश्नपत्र का प्रारूप

समय:2 घण्टे **अंक -50**

1) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

2) दीर्घोत्तरी विकल्प सहित प्रश्न -15

3) टिप्पणी चार में से दो -10

4) वस्तुनिष्ठ प्रश्न -10